Self Respect

03-07-2014

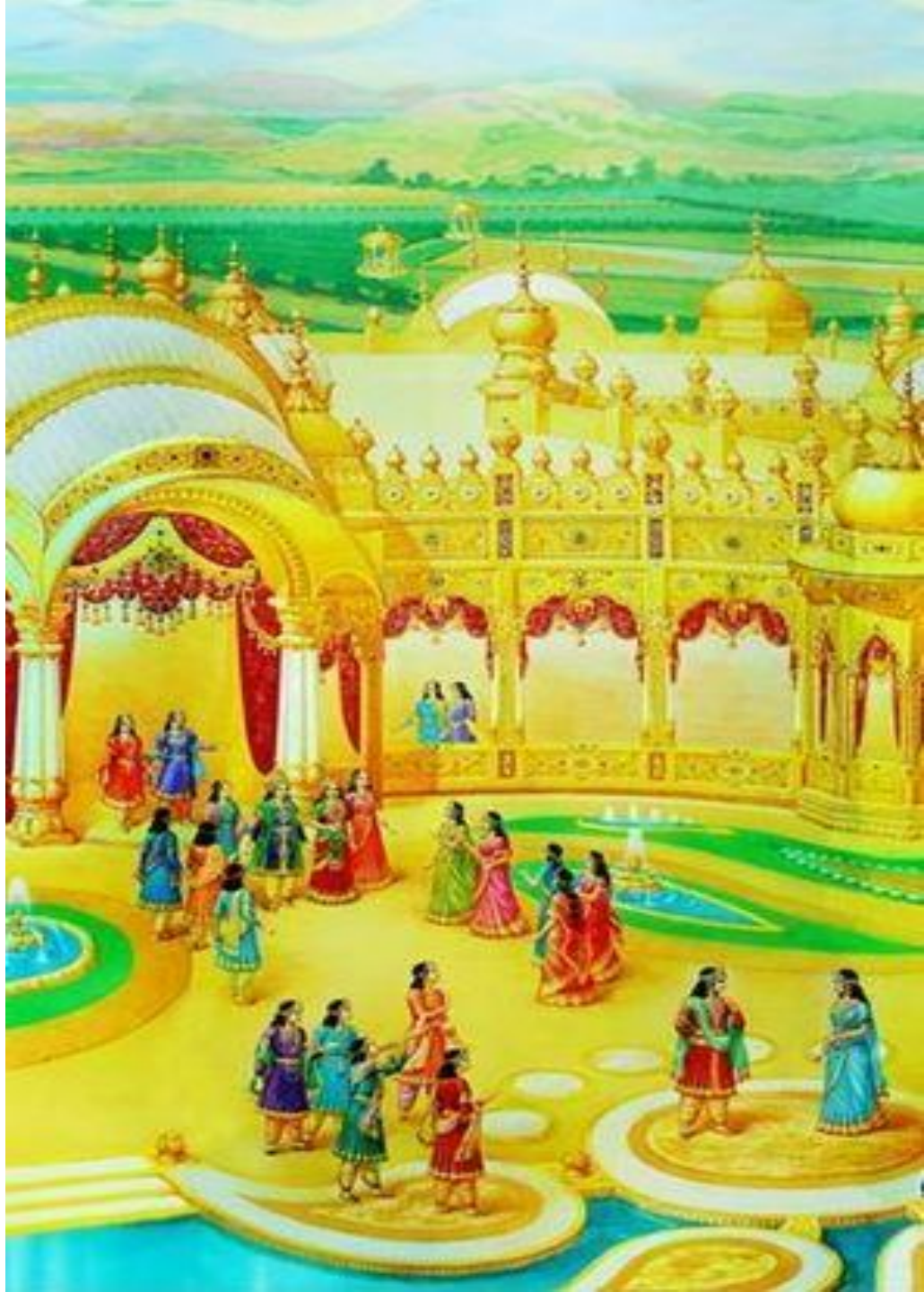

✓अभी तुम बच्चे जानते हो कि इस मनुष्य सृष्टि रूपी झाड़ का बीजरूप है बाप और वह अकाल मूर्त है । अकाल मूर्त बाप के अकालमूर्त बच्चे ।

✓बाप समझाते हैं तुम बच्चों पर अविनाशी बेहद की दशा है । एक होती है हद की दशा और दूसरी होती है बेहद की । बाप है वृक्षपति । वृक्ष से पहले-पहले ब्राह्मण निकले ।

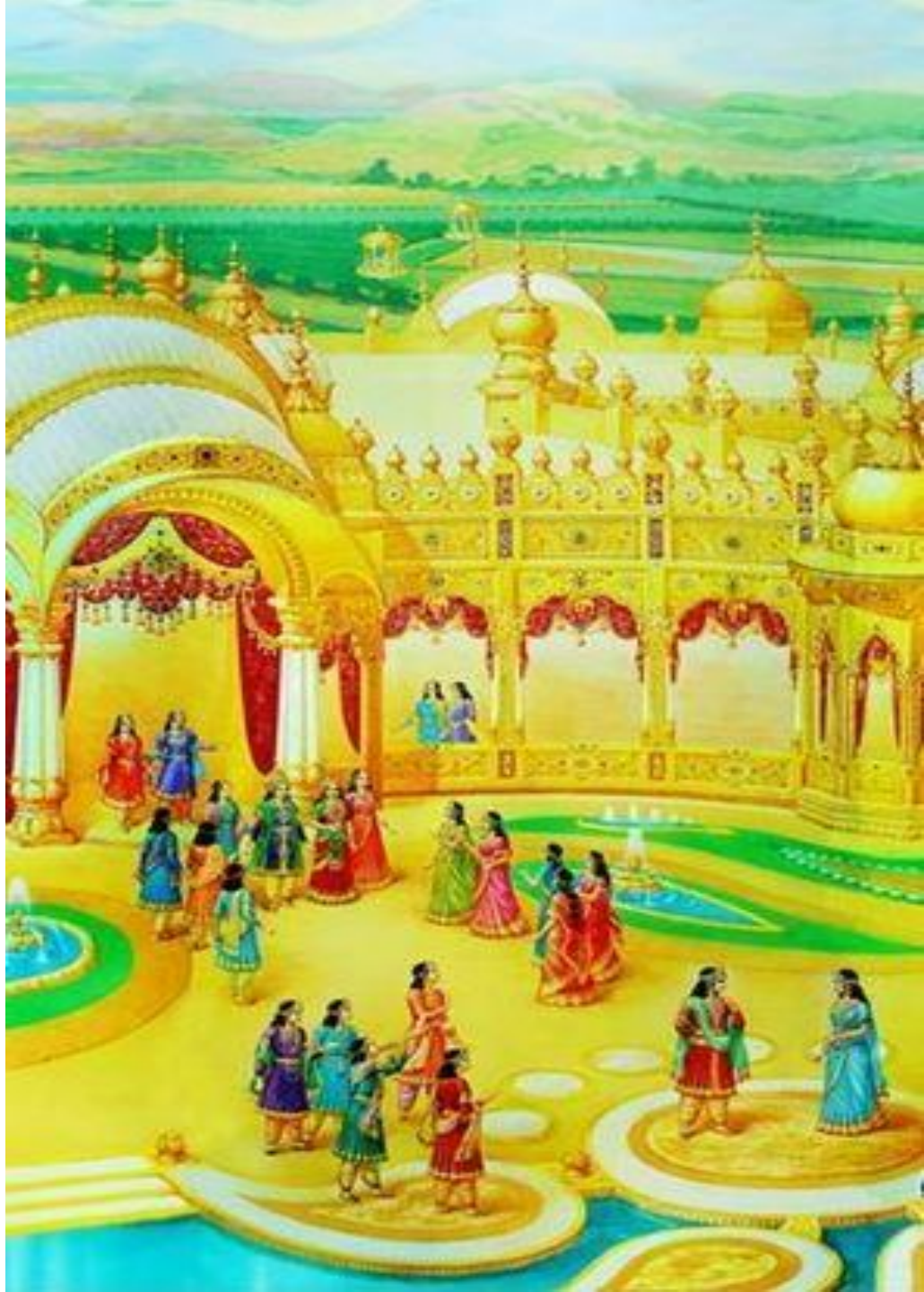

✓तुम हो ब्राह्मण । वास्तव में तुम भी अकालमूर्त हो, हरेक आत्मा अपने तख्त पर विराजमान है । यह सब चैतन्य अकाल तख्त हैं । भ्रकुटी के बीच अकालमूर्त आत्मा विराजमान है, जिसको सितारा भी कहा जाता है ।

✓पहले-पहले चाहिए ब्राह्मण, प्रजापिता ब्रह्मा के एडाप्टेड चिल्ड्रेन ।

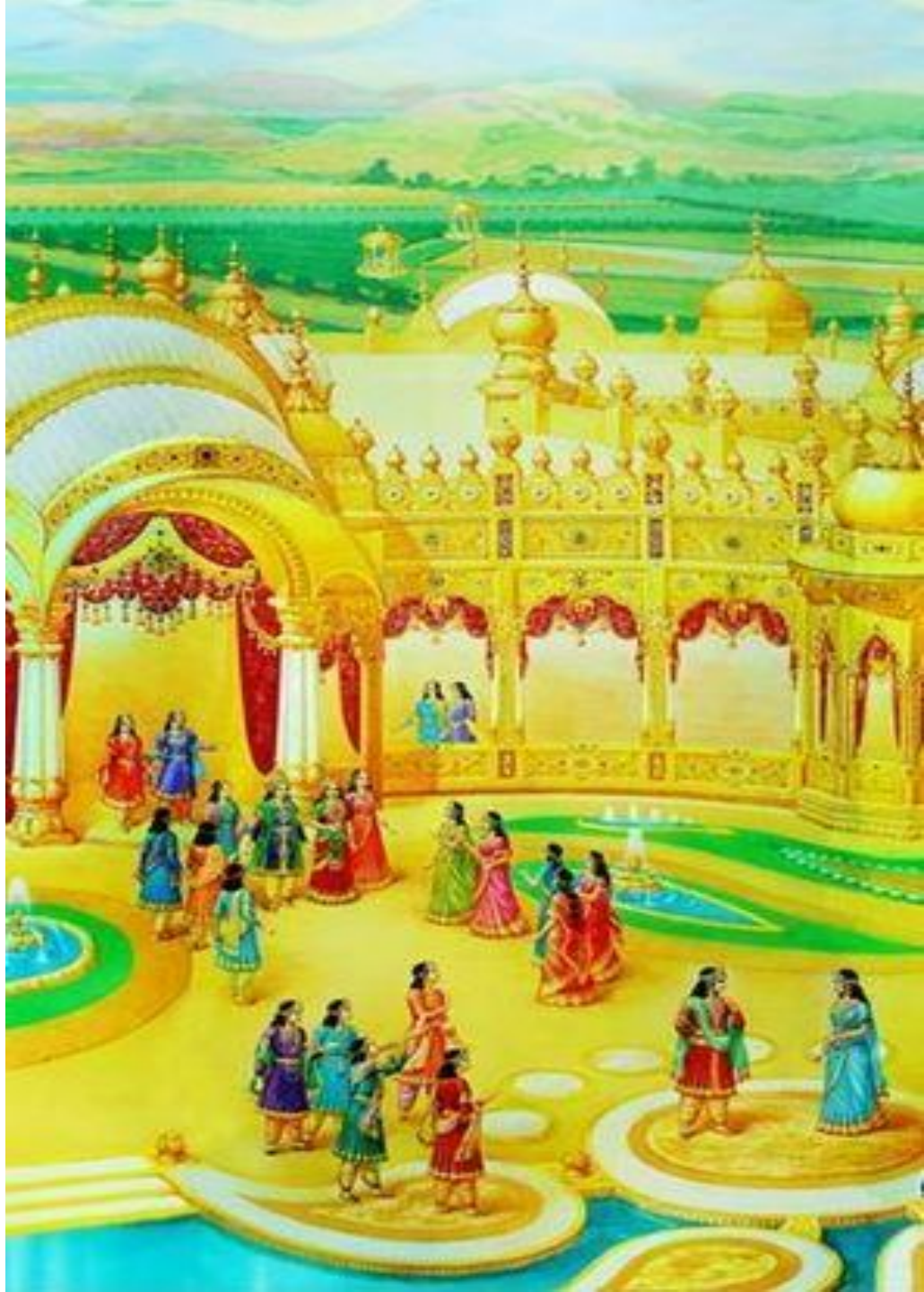

✓बीजरूप शिवबाबा है फिर है ब्रह्मा । ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण रचे गये । इस समय तुम कहेंगे कि हम सो ब्राह्मण सो देवता । पहले हम शूद्र बुद्धि थे । अब फिर से बाप पुरूषोत्तम बुद्धि बनाते हैं । हीरे जैसी पारस बुद्धि बनाते हैं । यह बाजोली का राज भी समझाते हैं । शिवबाबा भी है, प्रजापिता ब्रह्मा और एडाप्टेड बच्चे सामने बैठे हैं । अभी तुम कितने विशालबुद्धि बने हो । ब्राह्मण सो फिर देवता बनेंगे । अभी तुम ईश्वरीय बुद्धि बनते हो जो ईश्वर में गुण हैं वह तुमको वर्से में मिलते हैं ।

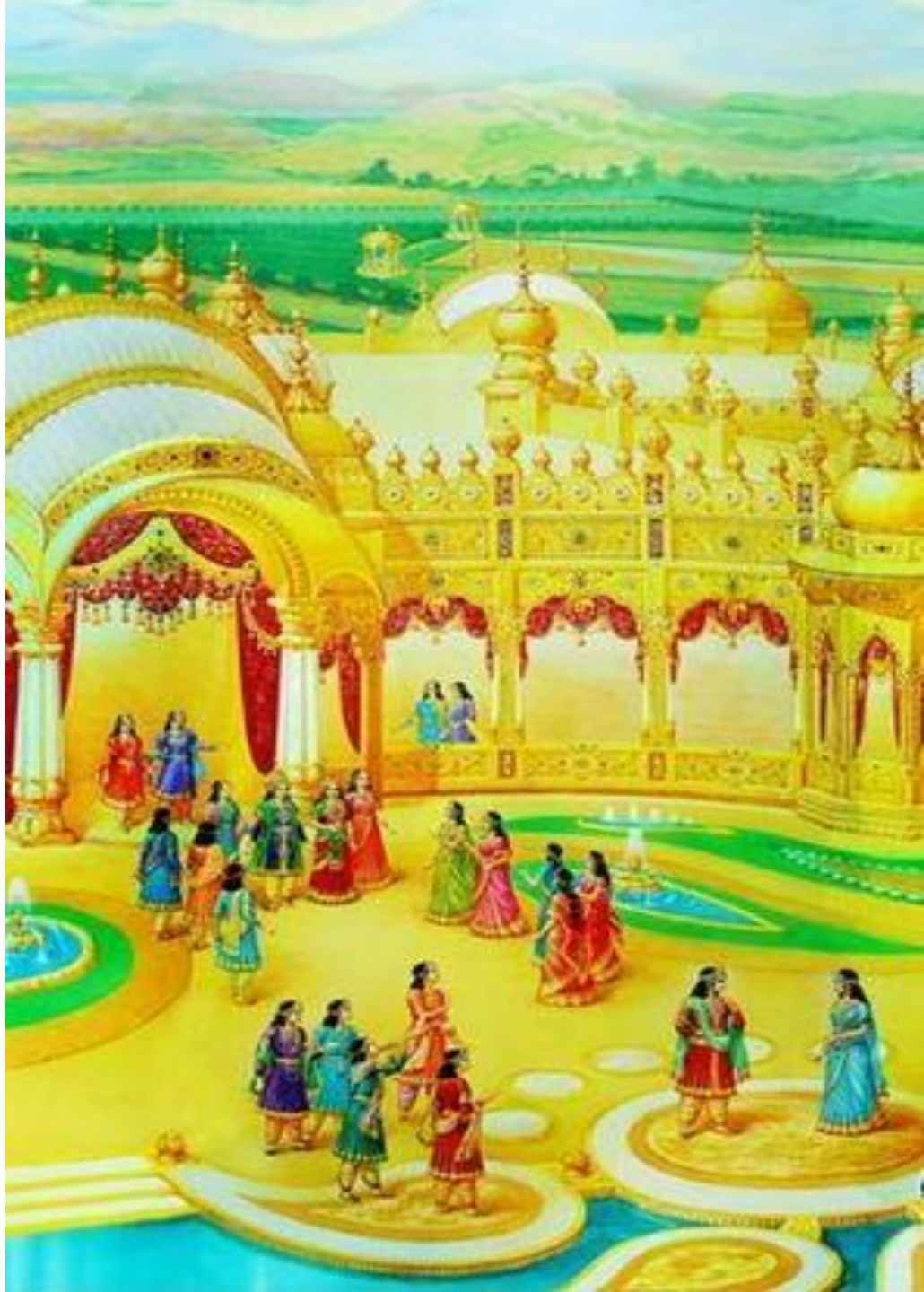

- ✓यह तो समझाया है कि योग दो प्रकार का है-वह है हठयोग और यह है राजयोग । वह हद का, यह है बेहद का । वह हैं हद के सन्यासी, तुम हो बेहद के सन्यासी । वह घरबार छोडते हैं, तुम सारी दुनिया का सन्यास करते हो । अभी तुम हो प्रजापिता ब्रह्मा की सन्तान, यह छोटा-सा नया झाड़ है । तुम जानते हो पुराने से नये बन रहे हैं । सैपलिंग लग रहा है । बरोबर हम बाजोली खेलते हैं । हम सो ब्राह्मण फिर हम सो देवता ।
- ✓ब्राह्मण से देवता बनते हैं । अभी ब्राह्मण बन बहुत भारी खजाना ले रहे हैं । झोली भर रहे हैं । ज्ञान सागर कोई शंकर को नहीं कहा जाता है । वह झोली नहीं भरते हैं । यह तो चित्रकारों ने बना दिया है । शंकर की बात है नहीं

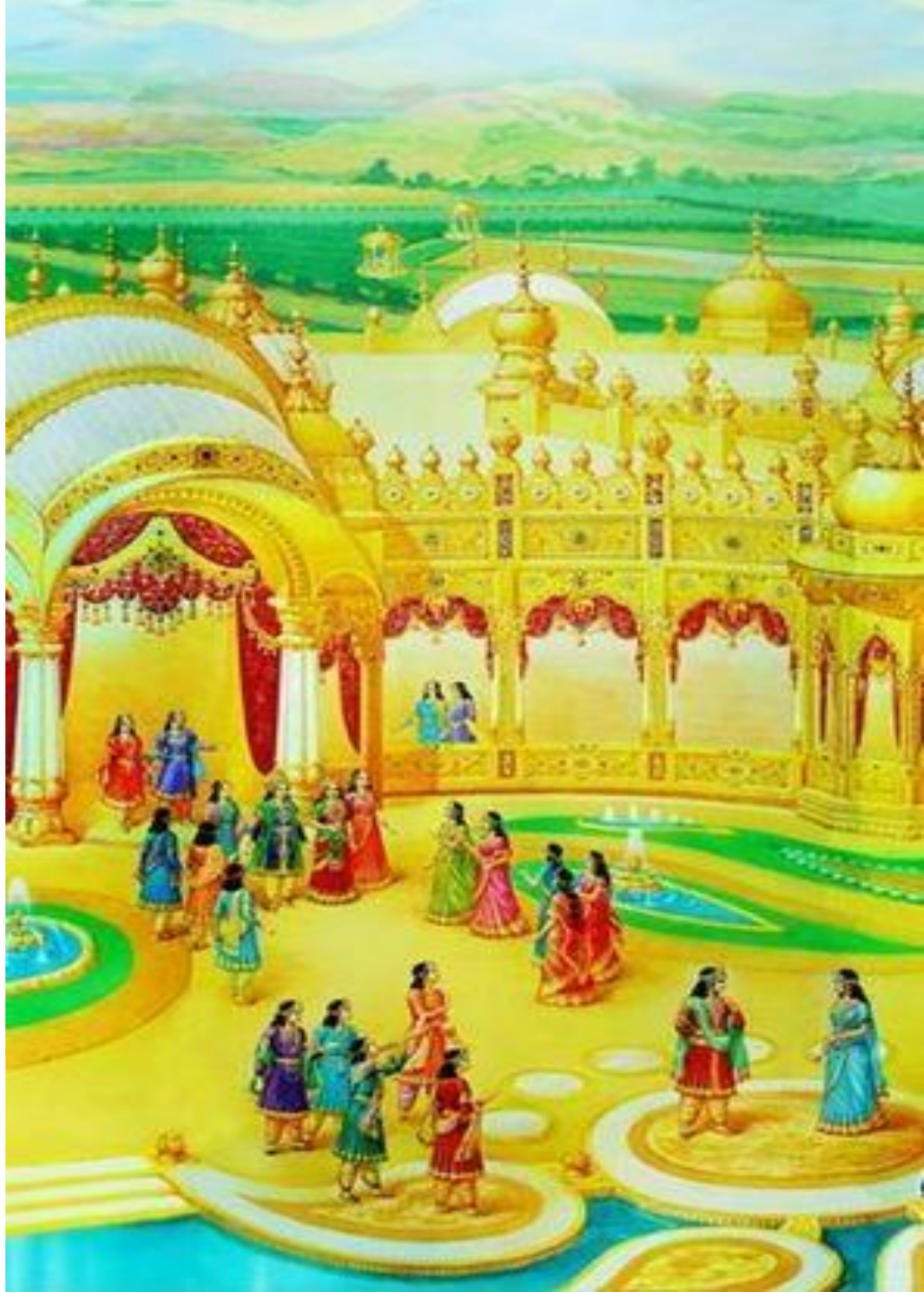

✓सतयुग में तुम बहुत पवित्र सुखी थे, कभी भी पुकारते नहीं थे । तो बाप खुद कहते हैं तुमको सुखी बनाकर मैं फिर वानप्रस्थ में बैठ जाता हूँ ।

✓बाप कहते हैं माया को जीतना कोई कठिन बात नहीं है । तुम हर कल्प जीत पाते हो । सेना हो ना । बाप मिला है इन विकारों रूपी रावण पर जीत पहनाने लिए ।

✓तुम पर अभी बृहस्पति की दशा है । भारत पर ही दशा आती है । अभी सभी पर राहू की दशा है ।

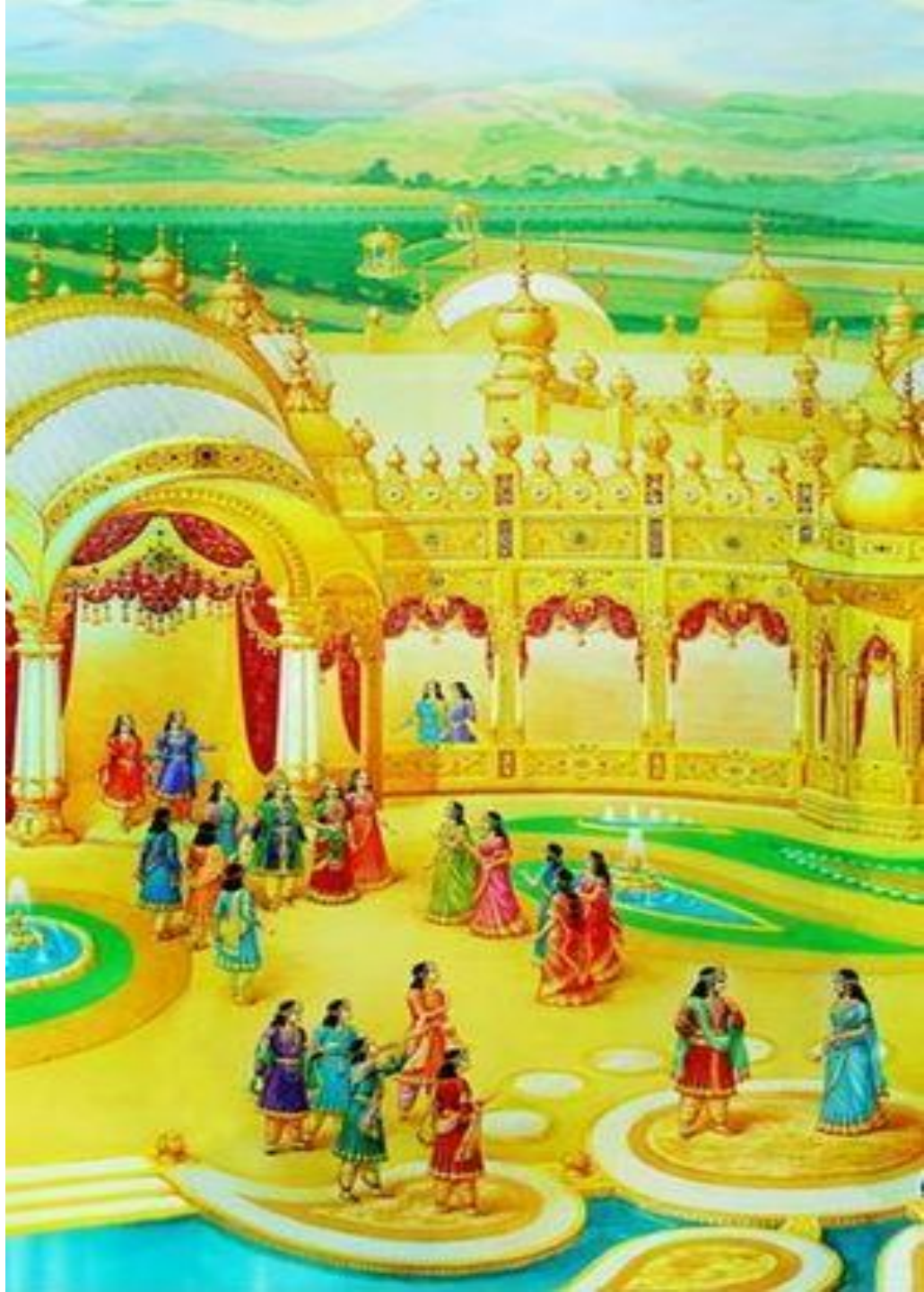

✓तुम बच्चे जानते हो हमको निरोगी काया मिलती है, वहाँ मृत्यु का नाम नहीं होता । अमरलोक है ना ।

✓तुम कहेंगे हम राजयोग सीखते हैं, सिखलाने वाला कौन है? बेहद का बाप । तो कितनी खुशी होनी चाहिए, इसमें कोई और बात नहीं । पवित्रता की है मुख्य बात । लिखा हुआ भी है-हे बच्चों। देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ मामेकम् याद करो ।

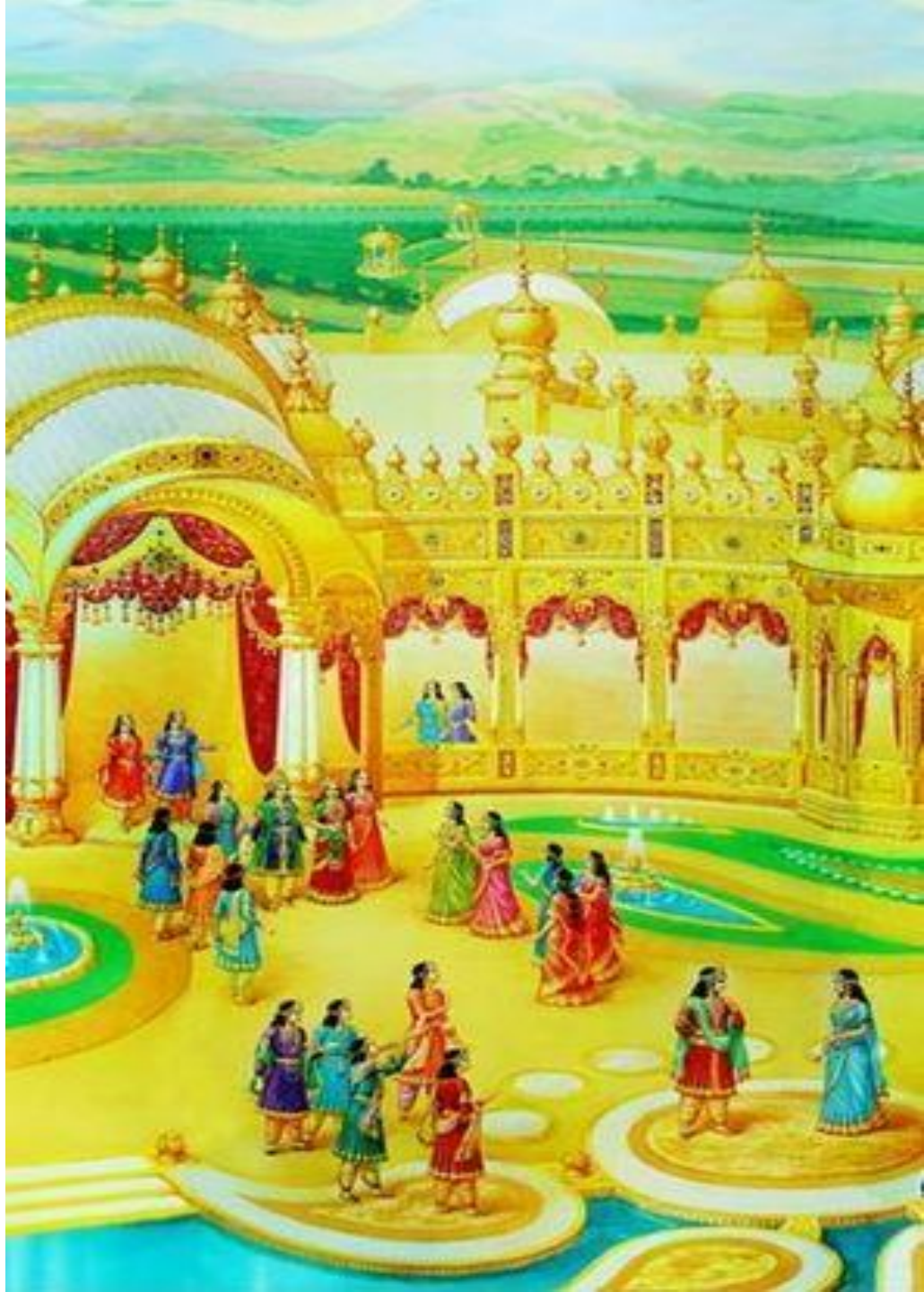

- ✓कहानी तुमको समझाता हूँ, यह है सच्ची-सच्ची कथा जिससे तुम देवता बनते हो । भक्ति मार्ग में फिर ढेर कथायें बना दी हैं । एम आब्जेक्ट कुछ भी नहीं है । वह सब हैं गिरने के लिए । उस पाठशाला में विद्या पढ़ाते हैं फिर भी शरीर निर्वाह लिए एम है । पण्डित लोग अपने शरीर निर्वाह लिए बैठ कथा सुनाते हैं । लोग उनके आगे पैसे रखते जाते हैं, प्राप्ति कुछ भी नहीं | तुमको तो अभी ज्ञान रत्न मिलते हैं, जिससे तुम नई दुनिया के मालिक बनते हो । वहां हर चीज नई मिलेगी । नई दुनिया में सब कुछ नया होगा । हीरे जवाहर आदि सब नये होंगे । तुम्हारी है साइलेन्स । बाप को याद करने से सब रोग खत्म हो जाते हैं, निरोगी बन जाते हैं । अभी तुम समझते हो सतयुग में एवरहेल्दी थे ।

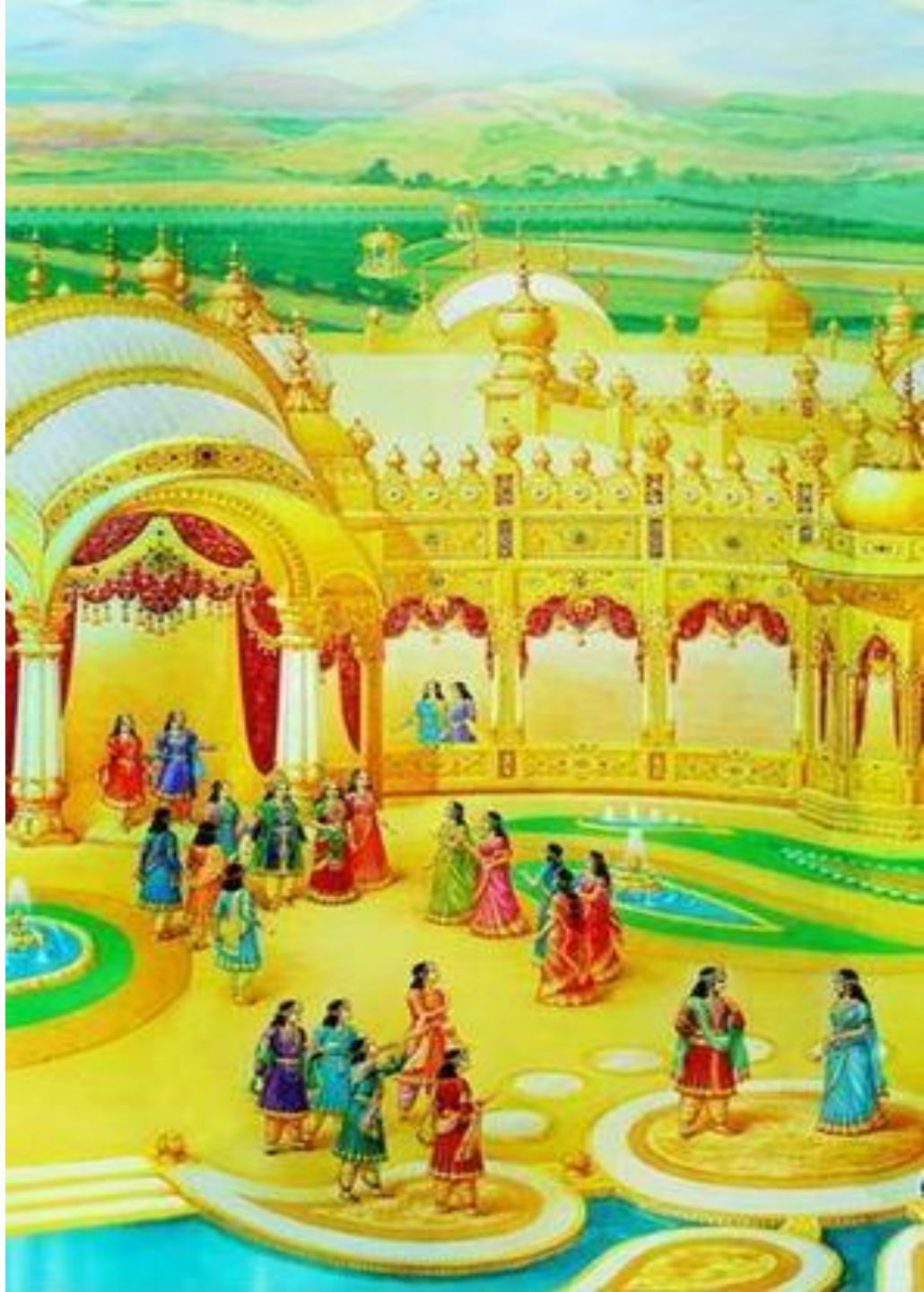

- ✓तुम बच्चे आधाकल्प झूठी कथायें सुनते आये हो । अब सच्ची कथा बाप से सुनते हो ।
- ✓अभी तुम समझते हो साहेब को याद करने से तुमको 21 जन्म का सुख मिलता है । सिमर-सिमर सुख पाओ ।
- ✓बाप का बनते ही हैं वर्सा लेने लिए । एडाप्ट होते हैं, जानते हैं बाप से हमको क्या मिलेगा । तुम भी एडाप्ट हुए हो । जानते हो हम बाप से विश्व की बादशाही, बेहद का वर्सा लेंगे । और कोई में ममत्व नहीं रखेंगे । समझो कोई का लौकिक बाप भी है, उनके पास क्या होगा । करके लाख डेढ़ होगा । यह बेहद का बाप तुमको बेहद का वर्सा देते हैं ।

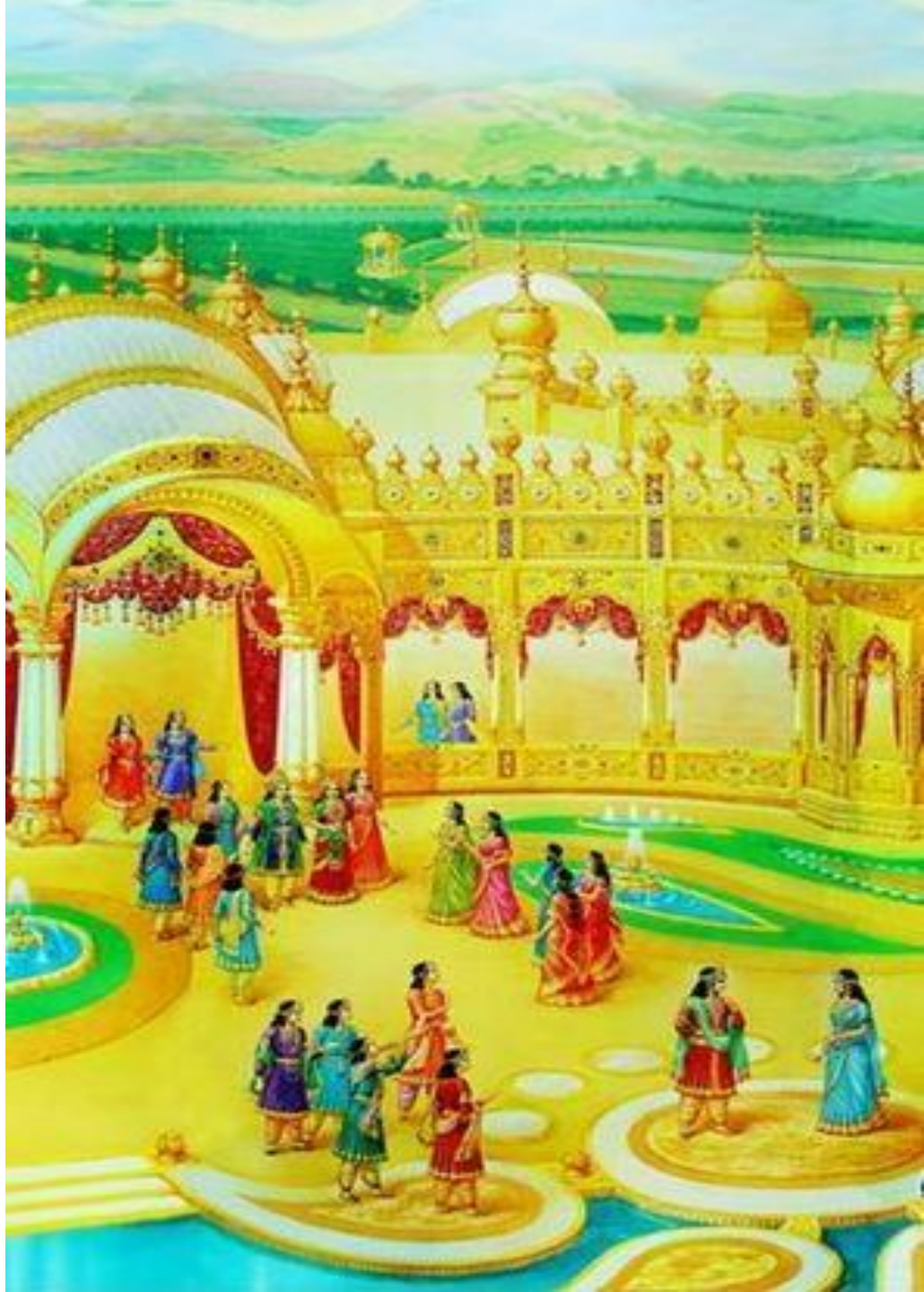

✓वरदान: हर श्रेष्ठ संकल्प को कर्म में लाने वाले मास्टर सर्वशक्तिमान भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।